रोहिणी साइंस क्लब रांची के सभी सदस्यों की ओर से

दिवंगत महेंद्र प्रसाद चौरसिया को

श्रद्धांजलि

जन्म : 15 अक्टूबर 1958

मृत्यु : 15 जुलाई 2013

दिनांक 15 जुलाई 2013 के दिन एक सड़क दुर्घटना में क्लब के संस्थापक सदस्य महेंद्र प्रसाद चौरसिया जी का निधन हो गया। बचपन से ही वे अत्यंत शर्मीले, सहज स्वाभाव तथा खोजी प्रवृत्ती रखने वाले व्यक्ति थे। फुटबाल के वे अच्छे खिलाड़ी थे तथा उनको विज्ञान में अत्यधिक रूचि थी। वर्ष 1971, संत अलोइस स्कूल के नौवी कक्षा की बात है, जब जिला स्तर पर चयनित प्रदर्शों को राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने जाना था। उसी वक्त से उनके दिमाग में यह बात रह–रह कर उठने लगा की क्या होगा जब स्कूल से वे पास होकर निकल जायेंगे? तब विज्ञान प्रदर्शिनियाँ में कैसे भाग लिया जा सकेगा? बस, इसी बात ने जन्म दिया ''रोहिणी साइंस क्लब'' को। उन दिनों स्पेस साइंस की दुनिया में हलचल थी। भारत भी थुम्बा से अपना पहला स्पुटनिक '' रोहिणी RH 125'' छोड़ने में कामयाब रहा। यही वजह थी की उन्होंने क्लब का नाम जो Children Science Club, शुरू में रखा था उसे बदल कर रोहिणी साइंस क्लब कर दिया। राकेट विज्ञान में उनकी गहरी रूचि थी और उसका नतीजा था की उन्होंने वर्ष 1973 में एक राकेट छोड़ा था हालाँकि कुछ दूर जाकर नष्ट हो गया लेकिन उनका उत्साह लगातार बना रहा।

महेंद्र जी की शक्सियत अत्यंत भिन्न थी। वे अदभूत प्रतिभा के धनी थे। तकनीकी समझ के चैंपियन थे। बड़े से बड़े, जटिल से जटिल मशीनों को वे चुटकी बजाते ठीक करने की असीम क्षमता रखते थे।

उनकी ख्वाइस हमेशा कुछ बड़ा करने की रहती थी। वे बड़े उद्योग चलाने के इरादे रखते थे। उद्यमिता उनमें खूब थी लेकिन वे व्यापारी नहीं थे। उनकी रूचि शोध कार्य में थी। यही जज्बा उनमें हमेशा देखने को मिलता था।

साइंस क्लब द्वारा आयोजित वर्ष 1984 की विज्ञान प्रदर्शनी याद आ रही है। प्रदर्शनी के ठीक एक दिन पूर्व शाम को तेज बारिश, हवा और आंधी से समूचा टेंट गिर गया था। हम सभी सदस्य उदास हो गए थे। उस वक्त महेंद्र जी ने सबको यह कहते हुए हिम्मत दिया की यह सामान्य बात है और इससे घबराना क्या? वे अकेले टेंट उठाकर ठीक करने लगे, बाद में हम सब लोग धीरे–धीरे शामिल हुए। प्रोत्साहित करने की यह विलक्षण प्रतिभा उनमें अक्सर देखने को मिलती थी।

आज महेंद्र जी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके द्वारा कही गयी हर बात हमारे कानों में गूंज रही है। उनके सपनों को पूरा करने का हर संभव कोशिश यह क्लब करेगा। वे अपनी पत्नी, पुत्र और पुत्री को पीछे छोड़ गए हैं।

क्लब के सभी सदस्य उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी में साहस और धैर्य देने की कामना ईश्वर से करते हैं।

दिनांक : 19th July 2013

समस्त रोहिणी परिवार